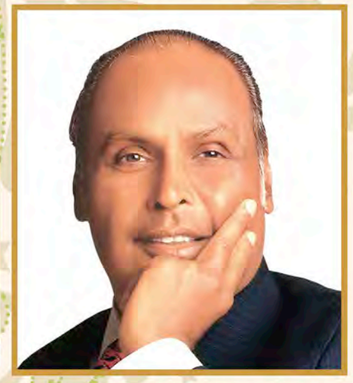


श्री धीरूभाई हीराचन्द अंबाणी
(मरणोपरांत)

Shri Dhirubhai Hirachand Ambani
(Posthumous)



पद्म विभूषण
Padma Vibhushan



उनकी पत्नी राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए
His Wife receiving the decoration from the President

श्री धीरूभाई हीराचन्द अंबाणी (मरणोपरांत)

श्री धीरूभाई के नाम से लोकप्रिय श्री धीरजलाल हीराचन्द अंबानी ने राष्ट्र की दिशा बदलने के लिए एक गतिशीलता और दूरदर्शिता वाली निर्भीक उद्यमिता की भावना का परिचय दिया है। आप 20वीं शताब्दी के एक शीर्षस्थ व्यवसायी के रूप में जाने जाते है तथा अपनी ऊर्जावान, पथप्रदर्शक और अभिनव प्रतिभा और अनूठी उद्यम विशेषताओं के कारण एक प्रेरणास्पद मार्गदर्शक रहे हैं।

2. आपका जन्म 28 दिसम्बर, 1932 को हुआ। आपकी सफलता की कहानी से भारतीय उद्यमियों, व्यवसायिक लीडर्स तथा प्रगतिशील कम्पनियों की पीढ़ी की कल्पना को पंख लग गए। आपके अनूठे दृष्टिकोण ने भारतीय कार्पोरेट जगत की क्षमता को पुनः परिभाषित किया तथा आपने विभिन्न क्षेत्रों में परम्परागत ज्ञान को चुनौती दी। आप शायद पहले ऐसे भारतीय व्यवसायी थे जिन्होंने निवेशकों के सामरिक महत्व को पहचाना और पूंजीगत बाजारों की बृहत अनियंत्रित क्षमता का पता लगाया तथा उद्योग की वृद्धि एवं उसके विकास के लिए उसे चैनेलाइज किया।

3. कार्पोरेट के बारे में आपकी सोच संक्षिप्त, साधारण और सारगर्भित थी, अर्थात "बड़ा सोचो, अलग सोचो, तेजी से सोचो, आगे सोचो, सर्वोत्तम के लिए लक्ष्य साधो"। यह आपकी दूरगामी लीडरशिप थी जिसके तहत रिलायंस समूह भारत में एक सबसे बड़े व्यवसायिक समूह के रूप में उभरा, और फॉर्चून 500 सहित कार्पोरेट जगत के दिग्गजों के सार्वभौमिक शीर्षस्थ व्यक्तियों के समूह में इसके लिए एक अलग जगह बनाई। अपने उद्योग उपक्रम मिशन के दौरान, आपने अनेक क्रान्तिकारी प्रतिमान स्थापित किए। राष्ट्र के सामाजिक और आर्थिक विकास में आपने बहुत योगदान दिया जिसे अनेकों राष्ट्रीय तथा अन्तरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा स्वीकार किया गया।

4. रिलायंस की प्रगति को आपने भारत के प्रति आपनी विशाल दूरदृष्टि के एक एकीकृत हिस्से के रूप में देखा था। आप यह समझ गए थे कि भारत कम समय में ही एक आर्थिक सर्वोच्च शक्ति बन सकती है और आप चाहते थे कि इस उद्देश्य को हासिल करने में रिलायंस एक अहम भूमिका निभाए।

5. आपको लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड (द इकोनॉमिक टाइम्स), मैन ऑव द सेंचुरी (कैम टैक फाउंडेशन), इंडियन एन्टरप्रिन्योर ऑव द टिवंटीथ् सेंचुरी (एफआईसीसीआई), एशियन बिजनस लीडरशीप फॉरम ग्लोबल एशियन अवार्ड और अन्य अनेक पुरस्कारों सहित, बहुत से प्रतिष्ठित पुरस्कार तथा उपाधियों से सम्मानित किया गया। आपकी उत्कृष्ट लीडरशीप के लिए व्हार्टन स्कूल, पेन्सिलवानिया विश्वविद्यालय द्वारा आपको डीन्स मैडल भी प्रदान किया गया–और आप इस प्रतिष्ठित सम्मान को प्राप्त करने वाले सबसे पहले भारतीय थे।

6. 06 जुलाई, 2002 को आपका देहान्त हो गया।

Shri Dhirubhai Hirachand Ambani (Posthumous)

Shri Dhirajlal Hirachand Ambani, popularly known as Dhirubhai, epitomised the dauntless entrepreneurial spirit of a visionary always on the march to change the destiny of a nation. Acclaimed as the top businessman of the 20th Century and lauded for his dynamic, pioneering and innovative genius, he was an inspiring leader with sterling qualities.

2. Born on December 28, 1932, Shri Ambani's success story fired the imagination of a generation of Indian entrepreneurs, business leaders and progressive companies. His unique vision redefined the potential of the Indian corporate sector and he challenged conventional wisdom in several areas. He was probably the first Indian businessman to recognise the strategic significance of investors and discover the vast untapped potential of capital markets and channelize it for the growth and development of industry.

3. Shri Ambani's corporate philosophy was short, simple and succinct: "Think big. Think differently. Think fast. Think ahead. Aim for the best." It was his visionary leadership under which the Reliance Group emerged as the largest business conglomerate in India, and carved out a distinct place for itself in the global pantheon of corporate giants — including in the Fortune 500.During the course of his entrepreneurial mission, he set a number of revolutionary precedents. His contributions to the social and economic development of the nation were many and recognised by numerous national and international organisations.

4. Shri Ambani visualised the growth of Reliance as an integral part of his grand vision for India. He was convinced that India could become an economic superpower within a short period of time and wanted Reliance to play an important role in realising this goal.

5. Shri Ambani was the recipient of several prestigious awards and titles, including the Lifetime Achievement Award (The Economic Times), Man of the Century (Chemtech Foundation), Indian Entrepreneur of the 20th Century (FICCI), Asian Business Leadership Forum Global Asian Award and many more. He was also a recipient of the Dean's Medal' by The Wharton School, University of Pennsylvania, for his outstanding leadership — and the very first Indian to receive this prestigious honour.

6. Shri Ambani passed away on July 6, 2002.